खबर संक्षेप

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के ग्राम ठेंगरहा निवासी रूबी यादव ने छात्रावास में प्रवेश दिलाने, ग्राम करूआ निवासी लक्ष्मी प्रसाद चतुर्वेदी ने पीएम आवास की बकाया राशि दिलाने, ग्राम पंचगांव निवासी श्रीमती शेख अरफाना जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय भवनो की जांच कर जीर्ण- शीर्ण भवनो को सुधार करवाने के लिए जन सुनवाई में आवेदन किया। कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अन्य प्राप्त आवेदनों को कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर प्रेषित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थें।

निकाली गई नवांकुर सखी हरियाली यात्रा

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर प्रदेश को हरा भरा करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए नवांकुर सखी हरियाली यात्रा अभियान चलाया जा रहा है। जन अभियान परिषद विकासखंड सोहागपुर द्वारा नवांकुर सखी अभियान के माध्यम से गॉव गांव में पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन का सन्देश दिया जा रहा हैं। नवांकुर सखी अभियान के तहत ग्राम सिरोजा में हरियाली यात्रा निकाली गई तथा नवांकुर सखियों को पौध बीज और पौधे वितरित किये गए। जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक श्री भीम सिंह डामोर ने कहा कि पौधे को बड़ा करना एवं देखभाल करना हम सभी कि जिम्मेदारी है पेड़ पौधों से ही हम सभी का जीवन है इसलिए पर्यावरण को बनाए रखने के लिए पौधारोपण करना आवश्यक है। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सिरोजा के सरपंच रामराज कोल ,पेशा जिला समन्वय पप्पू कोल विकासखंड समन्वयक श्रीमती प्रिया सिंह बघेल ,नवांकुर संस्था से डॉ.राज पांडे ,परामर्शदाता सतीश तिवारी , प्रस्फुटन समिति के सदस्य एमएसडब्ल्यू के छात्र अनु प्रजापति ,राम लली सोनी ,सीता प्रजापति सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नशामुक्ति अभियान के तहत निकाली गयी जागरूकता रैली

शहडोल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 से 30 जुलाई 2025 तक चलाया जा रहा नशामुक्ति अभियान युवाओं को नशे की लत से बचाने और समाज को जागरूक करने की एक सशक्त पहल है। जिसके तहत प्रदेश भर में विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा युवाओं को नशे से दूर रहने हेतु जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के साबो ग्राम में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने रैली निकालकर जागरूकता का संदेश दिया। इस दौरान मुख्य रूप से सूरजदास पारस सरपंच साबो, संदीप कुमार मिश्रा, नेक नारायण पाठक, अंबिका शर्मा, केके खंडेकर, रमेश कुमार, राम, पैरा लीगल वालेंटियर अभिषेक मुखर्जी सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

समाज की आस्था पर गहरा आघात, सख्त कार्यवाही की दरकार

धरती के भगवान अब बनते जा रहे हैं डर का पर्याय!

शहडोल। शहडोल में लगातार बढ़ रही डॉक्टरों की गुंडागर्दी धरती के भगवान अब शायद ट्रांसफर होकर 'धरती के दबंग' बन गए हैं। इलाज की जगह अब गालियां दी जाती हैं, सेवा की जगह सनक परोसी जाती है और खाने का पैसा मांगने पर मारपीट की जाती है, डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों की हालिया करतूतें देखकर लगता है कि अब अस्पताल नहीं, अखाड़े चला रहे हैं जनाब, जहां स्टेथोस्कोप से पहले लात-घूंसे चलाए जाते हैं। जहां डॉक्टरों को अब तक 'धरती का भगवान' कहा जाता रहा है, वहीं अब यही भगवान समाज की नजरों में कटघरे में खड़े हो रहे हैं। हाल के दिनों में डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों की लगातार सामने आती घटनाएं यह साफ़ संकेत दे रही हैं कि कुछ डॉक्टर अब सेवा नहीं, बल्कि सत्ता और सनक की भाषा बोल रहे हैं। महिला स्वास्थ्यकर्मी के साथ बदसलूकी हो या मृत्युभीत परिजन के साथ मारपीट या फिर खाने के पैसे मांगने पर रेस्टोरेंट संचालक को अगवा कर पीटना, इन घटनाओं ने चिकित्सा जगत की गरिमा को गहरा धक्का पहुंचाया है।

महिला स्वास्थ्यकर्मी से गाली-गलौज

बुढ़ार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर अनुराग पांडे ने एक महिला स्वास्थ्यकर्मी के साथ न केवल गाली-गलौज की, बल्कि उसे धमकाया भी। पीड़िता के समर्थन में अन्य महिला स्टाफ ने थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय केवल एनसीआर (नॉन कॉग्निजेबल रिपोर्ट) दर्ज कर दी। पीड़िता को न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की सलाह दी गई, जबकि डॉक्टर के खिलाफ स्पष्ट आरोप थे और प्रत्यक्षदर्शी भी मौजूद थे। इस मामले ने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि महिला कर्मचारियों की सुरक्षा का जिम्मा आखिर कौन लेगा और जब डॉक्टर ही अपमानित करेंगे तो उनके साथ कौन काम करेगा?

परिजन की हुई पिटाई

एक और गंभीर मामला जिला चिकित्सालय शहडोल से सामने आया जहां सोनू पनिका की 19 वर्षीय बुआ पिंकी पानिका की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजन ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया और इस पर बातचीत करने पर ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर अब्दुल वसीम और अन्य कर्मचारियों ने मिलकर पीड़ित युवक की जमकर पिटाई कर दी। यह घटना उस समय और भी अमानवीय लगती है जब परिजन शोक में डूबा होता है और उसे अस्पताल में थप्पड़ और घूंसों से न्याय दिलाया जाता है। इस मामले में भी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई न करते हुए पीड़ित को अगले दिन आने की सलाह दी।

लूटपाट और अगवा कर की बर्बरता

बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज के छात्रों की

गुंडागर्दी की हद उस समय पार हो गई जब 2022 बैच के छात्र अजय ने अपने साथी दीपक, भगवान, राकेश, साहिल सहित अपने दर्जनों साथियों के साथ नंदू नागर नामक युवक के रेस्टोरेंट में घुसकर तोडफ़ोड़ की, उससे गाली-गलौज की, फिर अगवा कर सुनसान

स्थान पर ले जाकर बेरहमी से पीटा। कारण सिर्फ इतना था कि रेस्टोरेंट संचालक ने खाने के पैसे मांगे थे। मारपीट के बाद युवक को कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। उसकी जेब से बीस हजार रुपये नकद और सोने की चेन भी गायब पाई गई। पीड़ित के अनुसार छात्रों ने मारपीट के दौरान लूट भी की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जब्त कर जांच शुरू कर दी है और सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। यह कोई पहला मामला नहीं मेडिकल कॉलेज की इस गैंग द्वारा पहले भी महादेव, पारूल के अलावा पूर्व में कई घटना कारित करने की खबर है।

प्रशासन को करनी होगी सख्त कार्यवाही

इन सभी घटनाओं ने समाज में डॉक्टरों की विश्वसनीयता और गरिमा को गहरा आघात पहुंचाया है। जो पेशा जीवन बचाने के लिए समर्पित है, वह अब भय, उत्पीडऩ और अपराध का प्रतीक बनता जा रहा है। समाज अब सवाल पूछ रहा है क्या वाकई आज भी डॉक्टर 'धरती के भगवान' हैं? या अब वह वाक्य एक भ्रम भर है? प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को इस पर शीघ्र और सख्त कार्रवाई करनी होगी, ताकि चिकित्सा सेवा में संलग्न सभी जिम्मेदार लोग अपनी मर्यादा को समझें और समाज का विश्वास पुनः अर्जित कर सकें।

5 जी बीबीयू कार्ड चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर की कार्रवाई

उमरिया। जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र में 5 जी नेटवर्क संचालन में उपयोग किए जाने वाले महंगे उपकरणों की चोरी का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गए उपकरण बरामद कर लिए हैं। यह मामला तब सामने आया जब फरियादी सौरभ कुमार शर्मा ने 28 जुलाई को थाना नौरोजाबाद में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई कि ग्राम बरही और ग्राम करकेली में स्थित जियो कंपनी के दो मोबाइल टावरों से अज्ञात व्यक्ति द्वारा दो 5 जी बीबीयू कार्ड चोरी कर लिए गए हैं, जिनकी कीमत लगभग 6 लाख 40 हजार रुपये बताई गई है। फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए धारा 305(ए) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक भौतिक और तकनीकी साक्ष्य एकत्र किए। साथ ही मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर दो संदिग्धों राहुल रजक और सूर्यप्रकाश विश्वकर्मा को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। आरोपी राहुल रजक ने बताया कि वह पूर्व में पुणे में रहकर टावर कंपनी में काम कर चुका है, जिसके कारण उसे टावर में लगे उपकरणों की पूरी जानकारी थी। इसी तकनीकी जानकारी का फायदा उठाते हुए उसने अपने साथी सूर्यप्रकाश विश्वकर्मा के साथ मिलकर ग्राम बरही और करकेली स्थित टावरों से 5 जी बीबीयू कार्ड चुराए। पुलिस टीम ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गए दोनों बीबीयू कार्ड बरामद कर लिए हैं। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस पूरे प्रकरण में नौरोजाबाद पुलिस की तत्परता और तकनीकी दक्षता की सराहना की जा रही है। महंगे उपकरणों की बरामदगी से न केवल कंपनी को बड़ा नुकसान होने से बचाया गया, बल्कि समय रहते आरोपियों की गिरफ्तारी से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर आमजन में विश्वास भी कायम हुआ है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को संदिग्ध गतिविधि या व्यक्तियों की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें, जिससे समय पर कार्रवाई की जा सके और अपराध पर नियंत्रण पाया जा सके।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान में पुलिस का व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम

शहडोल। प्रदेश में 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में 29 जुलाई को शहडोल पुलिस द्वारा जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस जनजागरूकता अभियान का उद्देश्य समाज को नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों से अवगत कराना एवं विशेष रूप से युवाओं को नशामुक्ति की दिशा में प्रेरित करना है। जिले में पुलिस प्रशासन द्वारा स्कूल-कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों में चित्रकला, निबंध, स्लोगन, पेंटिंग, रंगोली एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं, युवाओं एवं अभिभावकों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई। 29 जुलाई को पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय सभागार में पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री सविता सुहाने ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे के दुष्परिणामों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. राम शंकर एवं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राघवेन्द्र तिवारी की उपस्थिति रही। इस अवसर पर खेल मैदान विचारपुर, विशिष्ट बालक क्रीड़ा परिसर, ज्ञानोदय विद्यालय, विवेक पब्लिक स्कूल, पी.एम. राइज स्कूल, रेलवे मिश्रित हाई स्कूल सहित कई शिक्षण संस्थानों और खेल परिसरों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। लगभग 2,800 छात्र-युवाओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई एवं 500 छात्रों की सहभागिता से नशामुक्ति रैली निकाली गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शारीरिक एवं खेल विभाग के डॉ. आदर्श तिवारी, ज्ञानोदय स्कूल के अजय सिंह, विवेक स्कूल के गोपाल निगम, प्राचार्या आभा, प्रशिक्षक लक्ष्मी सहीस, फुटबॉल खिलाड़ी नरेश कुंडे, शंकर दाहिया, अनिल सिंह सहित अन्य शिक्षकों व अधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

प्रोविजनल प्रमाणपत्र पर नौकरी कर रहा लेखपाल

अब दबाव की राजनीति पर उतरा परिवार

उमरिया। मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम, उमरिया में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां ओंकार सिंह सेंगर, नामक व्यक्ति बीते 34 वर्षों से वरिष्ठ लेखपाल के पद पर नौकरी कर रहा है और वह भी केवल प्रोविजनल हिंदी टाइपिंग प्रमाण पत्र के आधार पर। जबकि नियमानुसार, किसी भी सरकारी पद के लिए मूल प्रमाण पत्र की अनिवार्यता होती है। जानकारी के अनुसार संभागीय प्रबंधक द्वारा समय-समय पर मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने हेतु पत्राचार किया गया, लेकिन ओंकार सिंह सेंगर द्वारा आज दिनांक तक कोई मूल दस्तावेज नहीं सौंपा गया है। सवाल उठता है कि क्या यह प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है, या फिर सेंगर के प्रभाव और दबदबे के चलते अधिकारी कार्रवाई से बचते आ रहे हैं।

शुरू की दबाव की राजनीति

मामले को दबाने और उच्च अधिकारियों पर दबाव बनाने की मंशा से अब ओंकार सिंह सेंगर का परिवार भी सक्रिय हो गया है। सूत्रों के अनुसार, सेंगर के बेटे सूचना का अधिकार और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से विभाग पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं, जबकि उनकी पत्नी खुद को भाजपा नेत्री बताते हुए लेटरपैड का प्रयोग कर विभागीय कर्मचारियों पर आरोप लगाने और कार्रवाई की मांग कर रही हैं। कर्मचारियों का कहना है कि यह कार्यालय अब विभागीय अनुशासन का केंद्र न रहकर राजनीतिक अखाड़ा बनता जा रहा है।

दफ्तर में घुसकर की गई मारपीट

इस पूरे विवाद का सबसे गंभीर पहलू तब सामने आया, जब ओंकार सिंह सेंगर का परिवार कथित तौर पर उमरिया वन विकास निगम कार्यालय में घुस गया और वहां मौजूद एक रेंजर और एक आईएफएस अधिकारी के

साथ गाली-गलौज और मारपीट जैसी घटना को अंजाम दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह घटना बेहद अपमानजनक और भयावह थी, जिसमें महिला और पुरुष सदस्य शामिल थे और उन्होंने खुलकर अधिकारियों को धमकाया।

दस्तावेजों के गायब होने की भी आशंका

सूत्रों के अनुसार यह भी आशंका जताई जा रही है कि विभागीय कार्यालय से ओंकार सिंह सेंगर से संबंधित कुछ मूल दस्तावेज भी गायब करवा दिए गए हैं, ताकि बाद में किसी जाँच में उन्हें प्रस्तुत न किया जा सके। यह कृत्य न सिर्फ गंभीर अनुशासनहीनता है, बल्कि सरकारी सेवा नियमों के सीधा उल्लंघन भी है। 34 वर्षों से नियमों की अनदेखी कर एक कर्मचारी बिना वैध दस्तावेजों के नौकरी करता रहा, और विभागीय अधिकारी मूकदर्शक बने रहे, यह पूरे वन विकास निगम की कार्यशैली और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। क्या यह संभव है कि इतने वर्षों तक किसी के दस्तावेज की जाँच न की गई हो? या फिर ऊपरी दबाव में अधिकारियों ने जानबूझकर अनदेखी की? अब यह मामला केवल दस्तावेजी धोखाधड़ी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शासकीय कार्य में बाधा, अभद्रता और दफ्तर में हिंसा जैसे गंभीर अपराधों का रूप ले चुका है।

6वीं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पं. शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय की उपलब्धि शानदार

गणित विभाग को दो श्रेणियों में सम्मान

शहडोल। भोपाल में आयोजित 6वीं अंतरराष्ट्रीय मल्टीडिसिप्लीनरी एप्रोचेज़ इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सम्मेलन में पं. शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय, शहडोल ने अपनी शैक्षणिक प्रतिभा और शोध क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के गणित विभाग ने इस प्रतिष्ठित मंच पर न केवल सहभागिता की, बल्कि दो प्रमुख श्रेणियों में सम्मान भी प्राप्त किया। डॉ. रुचि सिंह के निर्देशन में शोध कर रहे शोधार्थी मनीष तिवारी को उनके शोध-पत्र प्रस्तुति के लिए तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं गणित विभाग के ही पी.जी. प्रथम वर्ष के छात्र विशेष शुक्ला को यंग रिसर्चर श्रेणी में सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. नुपुल सिलावट एवं मध्य भारत विज्ञान भारती के अध्यक्ष डॉ. अमोघ गुप्ता द्वारा प्रदान किया गया। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रामशंकर, कुलसचिव प्रो. आशीष तिवारी, संकायाध्यक्ष प्रो. प्रवीण शर्मा, विभागाध्यक्ष प्रो. अमित निगम, तथा विभाग के प्राध्यापक डॉ. शरद बरवै, आरती द्विवेदी और ज्योति पटेल ने हर्ष व्यक्त करते हुए टीम को बधाई दी।

सम्मेलन में देश-विदेश से 200 से अधिक शोधार्थियों की भागीदारी

सम्मेलन में भारत सहित विभिन्न देशों से 200 से अधिक शोधार्थियों ने भाग लिया। वैज्ञानिक, शिक्षाविद् एवं शोधकर्ताओं की सहभागिता ने सम्मेलन को वैश्विक स्तर पर एक समृद्ध संवाद का मंच बना दिया। इस पृष्ठभूमि में पं. शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि न केवल क्षेत्र बल्कि प्रदेश के लिए भी गौरव का विषय है। गणित विभाग की इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि सीमित संसाधनों में भी यदि शोध कार्य में लगन और मार्गदर्शन हो, तो अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज की जा सकती है।

अगली तैयारी अब राष्ट्रीय पटल पर

विभागीय सूत्रों के अनुसार, अब विभाग की टीम राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस एवं यूजीसी-सीएआरई श्रेणी के जर्नल्स में शोध प्रकाशन की दिशा में भी कार्य कर रही है। आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय की शोध गुणवत्ता को और सशक्त करने की दिशा में योजनाबद्ध प्रयास किए जाएंगे। यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि यह विश्वविद्यालय की शोध प्रतिबद्धता, गुणवत्ता एवं नवाचार की दिशा में प्रेरणास्रोत भी है।

शिक्षक और विद्यार्थियों के मध्य रहे मित्रता का भाव: कलेक्टर

बेहतर वातावरण से पढाई की इच्छा होती है जागृत-सदस्य जिला योजना समिति

शहडोल। कोई भी विद्यार्थी कमजोर नही होता है, प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई प्रतिभा अवश्य होती है उन प्रतिभाओ को सिर्फ निखारने की आवश्यकता होती है। विद्यार्थियो की प्रतिभा तभी निखार कर सामने आएगी जब शिक्षक और विद्यार्थी के मध्य मित्रता का भाव होगा, शिक्षक विद्यार्थी के प्रति मित्रता का भाव रखते हुए विद्यार्थियो की प्रतिभा निखारने में अपनी महती भूमिका निभाएं। उक्त विचार कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जनपद पंचायत सोहागपुर के सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छतवई में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में व्यक्त किये। भारत सरकार के केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा पीएम जनमन योजना के अंतर्गत 4 करोड़ 60 लाख रूपये की राशि से निर्मित होने वाले बालक एवं बालिका छात्रावास हेतु वर्चुअली रूप से भूमि पूजन किया। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालय में भी विद्यार्थियो को घर जैसा वातावरण बनाए जिससे विद्यार्थी विद्यालय आने के लिए इच्छुक रहें और बेहतर शिक्षा दें, बेहतर शिक्षा ही मंजिल की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा कि पीएम जन मन योजना के तहत अति विशेष पिछडी जनजातीय समुदाय के विद्यार्थियो को शिक्षा दिलाने के लिए विद्यालयों में बेहतर सुविधाए सुनिश्चित की जा रही है। पीएम जनमन योजना के तहत सडक़,शिक्षा, बिजली, स्वास्थ्य जैसे अन्य सुविधाए प्रदाय की जा रही है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सदस्य जिला योजना समिति श्रीमती अमिता चपरा ने कहा कि विद्यार्थियो को यदि स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण निर्मित होगा तो अवश्य ही विद्यार्थियो में पढाई करने क इच्छा जाग्रत होती है, विद्यार्थी देष के भविष्य है। उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा ग्रहण कर कलेक्टर, एसपी, इंजीनियर, डॉक्टर जैसे अन्य महत्वपूर्ण पदो पर पहुंचकर, अपने गांव, विद्यालय, जिले का नाम रोशन करते हुए देश की सेवा में अपना योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। दिल्ली में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम को लाइव प्रसारण किया गया जिसे जनप्रतिनिधियो,अधिकारियो, शिक्षको, विद्यार्थियों सहित जनमानस ने देखा एवं सुना गया। उक्त कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष सोहागपुर श्रीमती हीरावती कोल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री सौम्या आनंद, जनपद सदस्य मनिहारी बैगा, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा, डीपीसी अमरनाथ सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा,सरपंच मुन्नी बैगा, प्राचार्य, सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छतवई श्रीमती अर्चना खरे सहित विद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं ग्रामवासी उपस्थित रहें।

खबर संक्षेप

फागिंग मशीन से हुआ कीटनाशक दवा का छिड़काव

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर पालिका क्षेत्र में बारिश का मौसम शुरू होते ही जगह-जगह बड़ी-बड़ी झाड़ियों के साथ ही गाजर घास यूज होने के कारण मच्छर की तादाद में बढ़ोतरी होती दिखाई दे रही है जिसके कारण शाम होते ही मच्छर घरों में प्रवेश करने लगते हैं जिसके कारण लोगों को घातक बीमारी मलेरिया डेंगू होने का अंदेशा बना रहता है जिसको लेकर विगत दिनों प्रमुखता से समाचार प्रकाशित करते हुए नगर में फागिंग मशीन से धुआं किए जाने के साथ ही नालियों में कीटनाशक दवा का छिड़काव करवाये जाने को लेकर प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया था। जिसे नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ सी यम ओ प्रदीप झारिया ने गंभीरता से लेते हुए सोमवार को मच्छरों की रोकथाम हेतु नगर में फॉगिंग मशीन द्वारा दवा का छिड़काव किया जा रहा है। नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ ने कहा है कि नगर पालिका परिषद द्वारा नगरवासियों को मच्छर जनित बीमारियों से सुरक्षित रखने हेतु फॉगिंग मशीन के माध्यम से विभिन्न वार्डों में निरंतर दवा का छिड़काव किया जा रहा है। डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से फॉगिंग की जा रही है। नागरिकों से अपील है कि अपने आसपास सफाई रखें और पानी इकट्ठा न होने दें।

भिड़े दोपहिया वाहन

हरिभूमि न्यूज कोतमा। पुलिस ने दो पहिया वाहन चालक प्रवीण सिंह के खिलाफ तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए स्कूटी सवार महिला को ठोकर मार कर घायल करने के मामले में मामला दर्ज करते हुए विवेचना प्रारंभ कर दी है। बताया जा रहा है कि एक निजी कंपनी में काम करने वाली महिला प्रीति ऑफिस जा रही थी बनिया टोला तालाब के पास रोड में तेज गति से गाड़ी चलाने वाले प्रवीण सिंह के द्वारा तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ठोकर मारकर घायल कर दिया। हादसे में स्कूटी सवार महिला के हाथ एवं पैर में चोट आई है। महिला ने इलाज कराने के बाद थाने पहुंच आरोपी वाहन चालक प्रवीण सिंह निवासी श्रमिक नगर बदरा के खिलाफ शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालक के विरुद्ध धारा 281 125 (ए) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना कर रही है।

जनसुनवाई में आमजनों की सुनी समस्याएं

उमरिया। कलेक्टर ने साप्ताहिक जनसुनवाई में जिले के दूर दराज से आये लोगो की समस्याओं को सुना तथा आवेदनों को संबंधित विभाग की ओर प्रेषित करते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में लालमनी रजक ग्राम हरदुआ ने पुस्तैनी स्वत्व आराजियात पर जबरन बल पूर्वक कब्जा होने, महेश चौधरी करकेली ने पट्टे की भूमि पर ग्राम पंचायत द्वारा कराए जा रहे पानी टंकी के निर्माण पर रोक लगाने, मंजू गुप्ता कौडिय़ा ने लाड़ली बहना योजना की राशि का भुगतान कराने, गुड्डी केवट ग्राम बैगाव ने पी एम आवास का लाभ दिलाने , शिव प्रसाद वर्मा ग्राम गोरैया ने समग्र आई डी से डी लिंक कराने, सरिता तिवारी मानपुर ने पूर्व से प्रचलित रास्ता खुलवाने, कल्याण सिंह, राधेश्याम, दीपक, अजय निवासी ग्राम भंगहा ने नक्शा तरमीम निरस्त कराने, अहिल्याबाई करकेली ने नशेड़ी पुत्र को नशा मुक्ति केंद्र भिजवाने, गुड्डू बाई बैगा ग्राम रोहनिया ने जरूँहा टोला के नवीन आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यकर्ता के पद पर नियुक्ति दिलाने हेतु आवेदन किया। जनसुनवाई में एस डी एम बांधवगढ़ कमलेश नीरज , डिप्टी कलेक्टर मीनाक्षी इंगले, हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएमजीएसवाई की गुणवत्ता पर उठे सवाल

पहली ही बारिश में खुली भ्रष्टाचार की पोल

कठघरे में ठेकेदार-उपयंत्री की भूमिका

उमरिया। भ्रष्टाचार की गाथा कहता एक पुल पहली ही बारिश में धसक गया। भिम्माडोंगरी और पहाडिय़ा को जोडने वाले इस पुल का निर्माण हाल ही में प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक योजना के तहत हुआ था। निर्माण में भारी अनियमितताओं के चलते पुल में दरारें आ गईं और दोनों छोर से बैठ गया। अब भ्रष्टाचार छिपाने के लिए गिट्टी बिछाई जा रही है, लेकिन प्रशासन मौन है।जिले की सीमा पर स्थित ग्राम पहाडिय़ा और भिम्माडोंगरी के बीच बना एक नया पुल इन दिनों भ्रष्टाचार की मिसाल बनकर खड़ा है।

हाल ही में प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के तहत इस पुल का निर्माण कार्य किया गया था, लेकिन पहली ही बरसात में पुल के दोनों सिरों से मिट्टी धसक गई, पुल में दर्जनों दरारें आ गईं, और उसकी सतह बैठ गई। इससे साफ जाहिर होता है कि निर्माण में गुणवत्ता का कोई ध्यान नहीं रखा गया और शासकीय राशि का खुला दुरुपयोग हुआ। इस पुल का निर्माण ठेकेदार विवेक खोडियार द्वारा किया गया था, जिनका नाम पूर्व में भी नगर पालिका शहडोल के हाई वोल्टेज ड्रामा और खनन विवादों में सामने आ चुका है। अब फिर एक बार उनके निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

गिट्टी की परत से छुपाया जा रहा भ्रष्टाचार

जिस स्थान पर पुल के दोनों छोर धसक गए हैं, वहां विभाग या ठेकेदार द्वारा गिट्टी की परत डालकर दरारों को भरने की कोशिश की जा रही है। इससे यही प्रतीत होता है कि विभागीय अधिकारी भ्रष्टाचार की लीपापोती करने में जुटे हुए हैं, बजाय इसके कि पुल को आवागमन के लिए बंद कर कोई ठोस समाधान निकाला जाए। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि पुल की यह हालत किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रही है। भारी वाहनों की आवाजाही कभी भी इस पुल को पूरी तरह से ध्वस्त कर सकती है। इसके बावजूद, न तो विभाग कोई चेतावनी बोर्ड लगा रहा है और न ही आवागमन रोकने की दिशा में कोई कदम उठा रहा है।

पीएमजीएसवाई अधिकारी बेबस या शामिल?

सबसे गंभीर सवाल यह है कि प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना के अंतर्गत बने इस पुल की स्थिति की जानकारी संबंधित अधिकारियों को हो चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अधिकारी विवेक खोडियार जैसे रसूखदार ठेकेदार के आगे बेबस नजर आ रहे हैं। यह भी आशंका जताई जा रही है कि पुल निर्माण के दौरान निगरानी में लगे अधिकारियों ने भी भ्रष्टाचार की मलाई में हिस्सा लिया है। यदि ऐसा नहीं होता, तो निर्माण के तुरंत बाद पुल इस तरह नहीं बैठता और न ही विभाग इस तरह खामोश रहता।

निर्माण में नहीं दिखी गुणवत्ता की छाया

एक ओर प्रदेश सरकार आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही है, दूसरी ओर यह पैसा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता दिख रहा है। पुल का निर्माण जिस उद्देश्य से किया गया था, वह पूरी तरह विफल हो गया है। पुल में जिस प्रकार मिट्टी, सरफेस कोटिंग और बेस लेयर में धंसाव हुआ है, उससे यह स्पष्ट होता है कि निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर समय रहते इसकी मरम्मत नहीं की गई और इसकी जांच नहीं कराई गई, तो यह पुल किसी भी समय दुर्घटना का कारण बन सकता है।

जिम्मेदार कौन?

इस पूरे मामले में ठेकेदार विवेक खोडियार की भूमिका तो स्पष्ट तौर पर सवालों के घेरे में है ही, साथ ही पीएमजीएसवाई और जिला प्रशासन के संबंधित अधिकारियों की भूमिका भी संदेह के दायरे में है। अगर नियमानुसार निरीक्षण और गुणवत्ता परीक्षण हुआ होता, तो यह पुल महज कुछ महीनों में जर्जर नहीं होता।

ब्लैकलिस्ट और कार्यवाही की मांग

स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि इस मामले में ठेकेदार विवेक खोडियार को सभी शासकीय निर्माण कार्यों से ब्लैकलिस्ट किया जाए। साथ ही जिन अधिकारियों की निगरानी में यह निर्माण हुआ, उनके खिलाफ निलंबन और रिकवरी की कार्यवाही तत्काल हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो वे सडक पर उतरकर आंदोलन करेंगे। इस गंभीर मुद्दे की जानकारी अब जिला कलेक्टर तक पहुंच चुकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि उच्च स्तरीय जांच बैठाकर दोषियों को चिन्हित किया जाएगा और सरकारी राशि के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जाएगा।

जमीन पर योजना, मौन जिम्मेदार

एक ओर जहां सरकार ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोडने के लिए करोड़ों खर्च कर रही है, वहीं दूसरी ओर कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों की सांठगांठ इस उद्देश्य पर पानी फेर रही है। उमरिया जिले में बना यह पुल इस बात का प्रमाण है कि सरकारी योजनाएं कैसे जमीन पर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। अब देखना होगा कि शासन-प्रशासन इस मामले में कितनी तेजी और निष्पक्षता से कार्रवाई करता है।

पठारी में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा संपन्न

उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद व्दारा ग्राम पठारी में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन , सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह के आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर मातृशक्तियों, ग्रामीणजनों द्वारा पठारी स्थित पानी टंकी तिराहा से कार्यालय पंचायत भवन तक रैली निकाली गई। रैली के दौरान अतिथियों व नवांकुर सखियों द्वारा पथ वृक्षारोपण के तहत 80 फलदार पौधे लगाएं गए।कलेक्टर ने कहा कि नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का कार्यक्रम मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम के तहत जिले में 1500 नवांकुर सखियों द्वारा वृहद वृक्षारोपण किया जाना है। उन्होने कहा कि पौधारोपण करने के साथ ही उसके सुरक्षा की जवाबदारी भी हम सभी को लेनी होगी, ताकि वह पौधा जीवित अवस्था में रहे। उन्होने कहा कि हम सभी को एक साथ आकर अधिक से अधिक पौधे लगाना चाहिए व संरक्षित करना चाहिए।इस अवसर पर जिला समन्वयक रविंद्र शुक्ला , जनपद सीईओ सुश्री हरनीत कौर,सरपंच ग्राम पंचायत पठारी गोविंद प्रसाद गौतम ,विकासखंड करकेली अंतर्गत नवांकुर संस्था सील फाउंडेशन , जनपद सदस्य सुखसेन कोल , उपयंत्री राजेश त्रिपाठी, सचिव कमलेश चौधरी, ग्राम रोजगार सहायक राजकुमार शुक्ला, सीएमसीएलडीपी छात्रा सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सील फाउंडेशन अध्यक्ष दीपक नामदेव द्वारा किया गया व आभार जनपद सदस्य द्वारा किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। अंतराष्ट्रीय बाघ दिवस पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ताला क्षेत्र में एक विशेष जागरूकता और सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम की शुरुआत में एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय ताला के विद्यार्थी और जैव विविधता प्रशिक्षण केंद्र ताला के प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। रैली के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छोटे सिंह अजय सिंह , राम फल सिंह, सुनील पटेल ,सरदार यादव, शिकारी यादव ,

विजय यादव सूर्यभान पुष्पराज सिंह है जीरो फायर मिशन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली इको समिति डोडका है।टाइगर रिजर्व में सर्वश्रेष्ठ वायरलेस ऑपरेटर शेषमणि त्रिपाठी हैं।

टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने बच्चों के माध्यम से ग्रामीणों को बाघ संरक्षण के प्रति जागरूक किया। साथ ही बाघ को सुरक्षित रखने और बाघ से स्वयं को सुरक्षित रखने की जानकारी भी दी गई। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मानव और वन्य प्राणी संघर्ष को रोकने के लिए भी इस कार्यक्रम से मदद मिलेगी। बांधवगढ़ के नौ परिक्षेत्रों में चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें परिक्षेत्र ताला, खितौली, मगधी, पतोर, पनपथा कोर, कल्लवाह कोर, धमोखर बफर, मानपुर बफर और पनपथा बफर शामिल है। बच्चों ने उत्साह के साथ इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसके अतिरिक्त, जीरो फायर मिशन के अंतर्गत वनों को आग से बचाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। वन विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया।उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यालय स्टाफ में अश्वनी सैनिक, विष्णु पटेल और विजय उपाध्याय को सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट बीट गार्ड के रूप में कैलाश प्रसाद चौधरी, अभय सिंह, अरुण प्रजापति, अर्जुन दास बैगा, मनोज मानव, लक्ष्मण साहू, नरेंद्र सिंह, ब्रजकिशोर बर्मन और रविंद्र सोनवानी को सम्मान मिला। यह आयोजन न केवल संरक्षण जागरूकता को बढ़ावा देने वाला रहा, बल्कि क्षेत्रीय प्रतिभाओं और समर्पित कर्मियों को सम्मानित करने की एक प्रेरणादायक पहल भी साबित हुआ।

जर्जर विद्यालयो में कक्षाएं नहीं संचालित करने के निर्देश

उमरिया। जिला शिक्षा अधिकारी ने जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र, समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, समस्त संकुल प्राचार्यो, समस्त संस्था प्रमुखो से कहा है कि ऐसे शासकीय प्राथमिक / माध्यमिक/हाई / हायर सेकेण्डरी स्कूल जहां किसी प्रकर की लीकेज या सीपेज अथवा सीलिंग का प्लास्टर गिरने की संभावना है वहां कक्षाएँ किसी भी दशा में संचालित न की जायें। समस्त संस्था प्रमुखों को निर्देशित किया गया है कि वह प्रत्येक कक्ष का सतत निरीक्षण कर आवश्यक्तानुसार उपलब्ध आवंटन या स्थानीय मद से भी तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करें।

बाजार एरिया के रहवासियों ने की स्थाई भू-अधिकार एवं ऋण पुस्तिका प्रदाय की मांग

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगरपालिका परिषद कोतमा वार्ड क्रं.3 के नागरिकगण जो अपने पूर्वजों के जीवनकाल, से अर्थात तत्कालीन महाराजा गुलाब सिंह रीवा रियासत के शासनकाल से एवं म०प्र०भू०रा०सं० 1959 के अधिनियम के पूर्व से बाजार एरिया में तत्कालीन समय में प्रदान किये गये व्यवस्थित प्लाटिंग एवं भूखण्ड आवंटन के पश्चात सुनियोजित तरीके से अपने माकान, व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाकर काफी अर्से से काबिज दाखिल होते हुये व्यवसाय करते हुए, निवास करते हुए चले आ रहे हैं और नगरपालिका कोतमा के अन्तर्गत नजूल एरिया बाजार के संबंध में एकमात्र परमठ रजिस्टर तहसील कार्यालय में अत्यंत जीर्णशीर्ण अवस्था में है, किन्तु यह स्पष्ट होता है कि वर्ष 1946-47 में उक्त बाजार एरिया की भूमियों में व्यवस्थित भूखण्ड बनाया जाकर सुनियोजित ढंग से बाजार क्षेत्र विकसित किया गया था। ख० नं० 1270 तत्समय राजा, वारिस के नाम पर दर्ज रहा है। खसरा वर्ष 1968-69 में यह भूमि म०प्र० शासन नजूल सरकार बाजार एरिया के रूप में अभिलिखित है। वर्तमान में 291-व्यक्तियों के आवासीय माकान, दुकान में उक्त बाजार एरिया में स्थित हैं तथा आ० ख० नं० 1270 के अतिरिक्त अन्य कई भूमियां बाजार क्षेत्र के अन्तर्गत नगरपालिका परिषद कोतमा में स्थित हैं, जिसमें बाजार एरिया के कई नागरिक अपने मकान एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठान बनाकर काबिज दाखिल चले आ रहे हैं। इनका खसरा नंबर अलग-अलग है, किन्तु राजस्व अभिलेख में म०प्र० शासन नजूल भूमि दर्ज है। इसलिए आम नागरिकजन की प्रशासन से अपील है कि धारणा अधिकार के तहत भूमि लीज में न दी जाकर स्वतंत्र रूप से भू-अधिकार ऋण पुस्तिका प्रदान करते हुए मालिकाना हक अधिकार प्रदान किया जाय। उक्त संबंध में मुख्यमंत्री, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल एवं अन्य लोगों को संचालक, अशफाक अहमद सिद्दीकी पिता स्व० मंजूर अहमद मबाबा फाउन्डेशन भोपाल हाल निवासी वार्ड नं.3 सब्जी मण्डी के पास बाजार एरिया कोतमा, संतोष पिता ज्ञानचंद जैन, मो० साबित पिता मो० साकिर, मुस्ताक अहमद पिता मोहियुद्दीन, मुसर्रफ अली पिता असगर अली, सरवरी बेगम पिता मंजूर हसन, मो० खलील पिता मो० हनीफ एवं राशिद अली पिता स्व० खुर्शीद अली सभी निवासी वार्ड नं.* कोतमा एवं अन्य लोगों के द्वारा लिखित आवेदन दिया गया है।

पानी को तरस रहे श्रमवीर

6 दिनों मे समस्या का निदान नही कर पाये जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 12 गोविंदा कॉलोनी एवं वार्ड नंबर 13 लहसुई कैंप में छः दिनों से पेयजल की सप्लाई नहीं होने से श्रम वीरों का परिवार पानी की समस्या से जूझ रहा है। कालरी प्रबंधन के द्वारा श्रमवीर कॉलोनियों में पेयजल की व्यवस्था करने में नाकाम साबित होता दिखाई दे रहा है। जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद कोतमा के वार्ड क्रमांक 12 गोविंदा कालोनी एवं लहसुई कैंप कालोनी में जहां श्रम वीरों का परिवार निवास करता है और उस कॉलोनी की व्यवस्था की जिम्मेदारी कालरी प्रबंधन की है। पाइपलाइन के माध्यम से फिल्टर प्लांट से कालरी प्रबंधन के द्वारा पेयजल की सप्लाई की जाती है बताया जा रहा है कि पिछले 24-25 जुलाई से पानी की सप्लाई बाधित है। बुधवार गुरुवार की दरमियानी रात मूसलाधार बारिश होने के कारण केवई नदी मे बाढ आ जाने के कारण पानी सप्लाई के लिए नदी में जो मोटर लगाया गया है या तो उस मोटर में या फुटबॉल में कचरा या मिट्टी भर गई थी जिसके कारण पानी सप्लाई पूरी तरह से दोनों कॉलोनियों की बाधित हो गई थी। जिसके कारण छः दिनों से बारिश के मौसम में भी श्रमवीरों का परिवार पानी के लिए परेशान होता नजर आया। कॉलोनियों में पेयजल की सप्लाई नहीं होने के कारण श्रमवीरों का परिवार पीने के पानी के लिए एवं उपयोग के लिए इधर-उधर परेशान होता नजर आ रहा था। कोल प्रबंधन के द्वारा कालोनियों मे एक टैंकर के माध्यम से पानी की सप्लाई तो करता नजर आया वह भी अधिकारियों के निवास के आसपास किया गया लेकिन मजदूरों की कालोनी तक नही पहुंचा जिसके कारण लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पाया। नगर पालिका के द्वारा पानी टैंकर के माध्यम से छः दिनों से गोबिंदा लहसुई कालोनियों मे प्रतिदिन लगभग दस टैंकर पानी सप्लाई पार्षद मीना सिंह के प्रतिनिधि अर्पण सिंह विक्कू स्वयं उपस्थित रहते हुए वितरण करवा रहे हैं।

यह है समस्या

बताया जा रहा है कि नगर के वार्ड क्रमांक 12 गोविंदा कॉलोनी में कोल प्रबंधन के द्वारा पेयजल सप्लाई के लिए पेयजल संयंत्र स्थापित किया हुआ है और केवई नदी से पाइपलाइन के माध्यम से फिल्टर प्लांट में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था करता है। 24-25 जुलाई को केवई नदी मे बाढ़ आने के कारण मोटर पंप या फुटबाल में कजरा या मिट्टी भर जाने से फिल्टर प्लांट

तक पाइपलाइन के माध्यम से पानी की सप्लाई बाधित होना बताया जा रहा है लेकिन अब यह बताया जा रहा है कि नदी मे अत्यधिक पानी भर जाने के कारण मोटर पंप पानी मे डूब गया है जिसके कारण श्रम वीरों के परिवार को पेयजल की समस्या से जूझना पड़ रहा है। रविवार की रात्रि लगभग दस मिनट पानी की सप्लाई कालरी प्रबंधन के द्वारा की गई थी और उसके बाद फिर से मेंटेनेंस करने का रोना रोया जा रहा है।

आये दिन होती है परेशानी

पेयजल संयंत्र में कार्यरत अधिकारियों एवं सिविल विभाग की लापरवाही के कारण हर 3 माह में कॉलोनी में पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है जिसके कारण अब यह चर्चा होनी शुरू हो गई है कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण आये दिन पानी सप्लाई बाधित हो जाती है जबकि कोतमा नगर पालिका के द्वारा भी केवई नदी में मोटर लगाया गया है जिसके माध्यम से फिल्टर प्लांट में पानी भरा जाता है लेकिन कालरी प्रबंधन की लापरवाही के कारण कभी पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण कभी अन्य कारणों से पेयजल सप्लाई बाधित हो जाती है जिसके कारण कभी तीन तो कभी पांच दिनों तक पानी सप्लाई बाधित कर दिया जाता है। पानी सप्लाई नहीं होने के कारण गोबिंदा कालोनी एवं लहसुई कैंप कालोनी में पीने के पानी के लिए त्राहिमाम मचा हुआ है। कालरी प्रबंधन के द्वारा टैंकर के माध्यम से पानी सप्लाई नही करवाया जा रहा है। श्रमवीरों के साथ लापरवाही पूर्ण रवैया प्रबंधन का देखा जा रहा है। नगर पालिका का ही इन्हें सहारा है। जब पानी की समस्या बारिश के मौसम में उत्पन्न हो रही है तो गर्मी के मौसम मंल क्या हाल होता होगा इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। कालरी प्रबंधन की उदासीनता का खामियाजा श्रम वीरों के परिवार को भुगतना पड़ रहा है।

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का जमुना कॉलरी में किया गया आयोजन

हरिभूमि न्यूज जमुना/बदरा। हरियाली अमावस्या प्रकृति से जुड़ा एक सांस्कृतिक, पौराणिक और पर्यावरणीय पर्व है जमुना कॉलरी में नवांकुर सखी हरियाली कलश यात्रा एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राम मंदिर से कलश यात्रा से की गई तत्पश्चात सभी नवांकुर सखी का तिलक लगाकर और हरी चूड़ी देखकर स्वागत किया गया उसके बाद मां सरस्वती के दीप प्रज्वलन किया गया एवं मंच पर उपस्थित सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए नगर पालिका पसान के अध्यक्ष राम अवध सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नवांकुर सखी कलश यात्रा मातृ शक्तियों को पर्यावरण से जोड़ने हेतु एक अच्छी पहल है मातृ शक्तियों कोई भी कार्य हाथ में लेती है तो वह पूर्ण ही करती है और पौधों का संरक्षण भी वह अपने बालक की तरह ही करेंगी ऐसी आशा है की नवांकुर सखी अपने कार्य में अवश्य सफल होगी। तत्पश्चात मंच पर उपस्थित अतिथियों द्वारा नवांकुर सखी को 11 बीज रोपित थैलियां एवं पौधे वितरित किए गए बीएमएस कार्यवाहक अध्यक्ष संजय सिंह ने भी मातृ शक्तियों को शुभकामनाएं दी गई। महिला फेडरेशन के अध्यक्ष श्रीमती निशा मिश्रा ने नवांकुर सखी को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति का रूप है नारी जब कुछ ठान लेती

है तो वह उसे पूर्ण करके ही रहती है और मुझे आशा ही नहीं विश्वास है कि सभी नवांकुर सखी जिन्हें यह पौधे प्रदान किया जा रहे हैं वह इनका संरक्षण एवं देखभाल का दायित्व पूर्ण रूप से निभाएंगी। आज के इस कार्यक्रम में नगर पालिका पसान अध्यक्ष राम अवध सिंह महिला फेडरेशन के अध्यक्ष श्रीमती निशा मिश्रा बीएमएस के कार्यवाहक अध्यक्ष संजय सिंह भूतपूर्व मंडल अध्यक्ष उदय राज सिंह पार्षद श्रीमती गीता यादव भूतपूर्व पार्षद अजय यादव भूतपूर्व उपाध्यक्ष एवं पार्षद शालिनी जायसवाल पार्षद विकास जायसवाल नवांकुर संस्था पसान की सचिव अन्नपूर्णा देवी परामर्शदाता श्रीमती शिवानी सिंह श्रीमती कृष्णा देवी नगर विकास प्रस्फुटन समिति भालूमाड़ा, जमुना एवं पसान के अध्यक्ष एवं सचिव श्रीमती मालती वर्मा श्रीमती रीता सिंह श्रीमती पार्वती वर्मा श्रीमती मीनू तिवारी बउबसकच छात्र पारसराज मुखर्जी, शुभम गुप्ता, शुभांसी, किरण प्रजापति, नमरा फातिमा एवं स्थानीय महिलाओं की सराहनीय सहभागिता रही।

जमीन पर दबंगों की नजर, शिकायत के बाद भी नहीं मिली राहत

वृद्ध ने थाने में की शिकायत

हरिभूमि न्यूज जैतहरी/अनूपपुर। एक वृद्ध आदिवासी नागरिक ने थाना जैतहरी में एक गंभीर शिकायत दर्ज कराते हुए कहा है कि उसकी पुश्तैनी जमीन को हड़पने की नीयत से किराए पर लेने वाले दो व्यक्तियों ने न सिर्फ उसे धमकाया, बल्कि वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल करने की भी धमकी दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित ने बताया कि उसकी जमीन खसरा नंबर 812, पुराने फाटक के पास स्थित है। इस जमीन को रामेश्वर प्रजापति पिता

छुग्गा प्रजापति व महेश प्रजापति पिता रामेश्वर प्रजापति (निवासी वार्ड क्रमांक 5 जैतहरी) ने किराए पर लिया था और उससे हस्ताक्षर भी करा लिए गए थे। लेकिन न तो अब तक किराया दिया गया है और न ही जमीन को खाली किया गया। जब पीड़ित ने उक्त जमीन को वापस पाने हेतु कलेक्टर और एसडीएम को पत्र लिखा, तो इसकी भनक लगते ही आरोपी रामेश्वर और महेश प्रजापति उसके घर पहुंचे। वृद्ध आदिवासी का आरोप है कि दोनों ने उससे अभद्रता की, धमकाया और मोबाइल से वीडियो बनाकर वायरल करने की चेतावनी दी। पीड़ित का कहना है कि वह एक गरीब वृद्ध आदिवासी है, जिसे बार-बार मानसिक रूप से प्रताडित किया जा रहा है। आरोपियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जमीन नहीं छोड़ेंगे, जो करना है कर लो। प्रार्थी ने थाना प्रभारी से अनुरोध किया है कि उक्त दोनों व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए, ताकि उसे न्याय मिल सके। साथ ही यह भी कहा कि यदि भविष्य में उसके साथ कोई अप्रिय घटना घटती है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी रामेश्वर और महेश प्रजापति की होगी। इस शिकायत की प्रतिलिपि पुलिस अधीक्षक अनूपपुर, थाना प्रभारी अजाक अनूपपुर तथा एसडीओपी को भी प्रेषित की गई है। इस मामले को लेकर स्थानीय आदिवासी समुदाय में भी रोष व्याप्त है और पीडित को शीघ्र न्याय मिलने की मांग की जा रही है।

खबर संक्षेप

मासूम की नहर में डूबने से मौत

शहडोल। जिले के देवलौंद थाना अंतर्गत चंदोला गांव में मंगलवार को एक हृदयविदारक हादसे में दो साल की मासूम बच्ची प्रियांशी कोल की नहर में डूबने से मौत हो गई। बच्ची पप्पू कोल की पुत्री थी। इस दुखद घटना से पूरे गांव में मातम छा गया है, वहीं परिजन सदमे में हैं। जानकारी के अनुसार घटना के समय बच्ची के माता-पिता खेत में धान की रोपाई में व्यस्त थे और प्रियांशी अपने बुजुर्ग दादा-दादी के पास घर पर थी। खेलते-खेलते वह घर के पास स्थित नहर की ओर चली गई और संतुलन बिगडऩे से नहर में गिर गई। करीब एक किलोमीटर दूर नहर में नहा रहे लोगों ने बहती हुई बच्ची को देखा और तुरंत उसे बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। बच्ची की पहचान के लिए सूचना गांव में फैलाई गई, जिससे परिजन मौके पर पहुंचे और पहचान की पुष्टि की। परिजनों ने बताया कि बच्ची के घर से गायब होने पर उसकी तलाश शुरू की गई थी, तभी गांव में खबर मिली कि नहर में एक बच्ची की लाश मिली है। मासूम प्रियांशी की मौत से परिवार टूट चुका है और गांव का माहौल शोकग्रस्त है। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुभाष दुबे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

दिव्यांग छात्र-छात्राओं को वितरित किए गए ट्राई साइकिल एवं उपकरण

जयसिंहनगर। एलिम्को का मतलब है भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम यह भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम है। एलिम्को का मुख्य काम दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंगों और सहायक उपकरणों का निर्माण और उनका वितरण करना है। इसी क्रम में विकासखंड जयसिंहनगर में एलिम्को द्वारा कुल 36 दिव्यांग छात्र-छात्राओं को चयनित कर उन्हें विभिन्न उपकरण एवं ट्राई साइकिल प्रदान की गयी। इस दौरान मुख्य रूप से रामनारायण विश्वकर्मा समन्वयक जनपद शिक्षा केन्द्र जयसिंहनगर, विनय कुमार पाण्डेय, ओमप्रकाश तिवारी, सुखनिधान मिश्रा, सुनील कुमार राव एवं बालकदास पटेल बीएसी, अम्ब्रीश तिवारी एमआरसी, शंभू यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रोटरी क्लब शहडोल का 15वां इंस्टॉलेशन समारोह भव्यता के साथ सम्पन्न

शहडोल। रोटरी क्लब शहडोल का 15वां इंस्टॉलेशन समारोह 27 जुलाई 2025 को जय विलास पैलेस एंड रिसोर्ट में भव्य और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अमित जायसवाल, पूर्व गवर्नर सुनील पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम दास जायसवाल, रोटेरियन नवीन भावसार, एवं असिस्टेंट गवर्नर विजय दुबे सहित अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ- समारोह के दौरान 2024-25 की टीम—अध्यक्ष संजय शर्मा, सचिव सत्येन्द्र सोनी, कोषाध्यक्ष डॉ. दीपक कुशवाहा—ने वर्ष 2025-26 के लिए अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता, सचिव विनोद प्रधान और कोषाध्यक्ष रविशंकर पाठक को डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अमित जायसवाल के करकमलों से पदभार सौंपा। कार्यक्रम परंपरागत और अत्यंत सम्मानजनक तरीके से सम्पन्न हुआ।

नई सदस्यता और पुस्तिका विमोचन- कार्यक्रम में 12 नए सदस्यों को रोटरी क्लब में शामिल किया गया। इसके साथ ही अध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता द्वारा तैयार की गई क्लब की योजनाओं पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर ने असीम मित्रता की ताकत थीम के तहत समाज सेवा को नई दिशा देने की प्रेरणा दी। पूर्व अध्यक्ष संजय शर्मा ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और नई टीम को शुभकामनाएं दीं। नव निर्वाचित सचिव विनोद प्रधान ने आगामी वर्ष की योजनाओं का विस्तार से वर्णन किया और सभी सदस्यों से सक्रिय सहयोग का आग्रह किया।

प्रतिभाओं का सम्मान- समारोह में शिक्षा और खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया, जिसमें हिना देवी को कक्षा 12वीं कला संकाय, प्रदेश मेरिट सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त करने, आयुषी कुंदनानी को नीट चयनित होने, अनुपमा दुबे आईआईटी चयनित होने, देविका सिंह को अंतरराष्ट्रीय कराटे खिलाड़ी में चयनित होने पर मंचासीन अतिथियों द्वारा मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा नगर, श्रावण मास की भक्ति में डूबे श्रद्धालु

सोमवार को महिलाओं और युवाओं ने किया मंदिरों में जलाभिषेक, 'बोल बम' से गूंजे मार्ग

श्रावण मास के तीसरे सोमवार को नगर भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। भोलेनाथ की उपासना में श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ शामिल हुए। नगर के प्रमुख मंदिरों सिद्ध बाबा मंदिर, खेर माता मंदिर, मां ज्वालामुखी मंदिर, अमरकंटक स्थित जलेश्वर मंदिर और अमरेश्वर मंदिर में सुबह से ही जलाभिषेक के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी।

हरिभूमि न्यूज, धनपुरी।

नगर के विभिन्न स्थानों से महिलाओं ने अपने घरों से पवित्र जल लेकर मंदिरों तक पदयात्रा की, और विधिवत पूजा अर्चना कर भगवान शिव को जल चढ़ाया। धार्मिक वातावरण में 'ॐ नमः शिवाय' और 'बोल बम' के जयघोष गूंजते रहे। श्रद्धालुओं में सत्येंद्र सिंह, लक्ष्मण सोनी, रुपेश, अज्जू सहित बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने भाग लिया और जलाभिषेक कर श्रावण मास की महत्ता को आत्मसात किया। शिवालयों में दिनभर भजन-कीर्तन और रुद्राभिषेक की गूंज रही। हर ओर भक्तिभाव और आस्था का माहौल देखने को मिला। रास्तों में भक्तों द्वारा लगाए जा रहे ओ मेरे बाबा ओ भोलेनाथ, तीनो लोक में तू ही तूर के नारों से माहौल शिवमय हो गया। शिवालयों में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन व मंदिर समितियों ने विशेष तैयारियां की थीं।श्रावण मास का हर सोमवार शिवभक्तों के लिए विशेष होता है और तीसरे सोमवार को नगर की यह आस्था देखते ही बनती थी। मंदिरों में घंटा-घड़ियालों की ध्वनि और श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने श्रावण माह को और भी पुण्यपूर्ण बना दिया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारी शुर

धनपुरी के राधाकृष्ण मंदिर में होगी भव्य सजावट

कोयलांचल, बुढार ,अमलाई सहित जिलेभर से जुटेंगे श्रद्धालु, मंदिर की आकर्षक मूर्ति बनेगी आस्था का केंद्र

धनपुरी।

नगर के हृदय स्थल श्री राधा कृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव को लेकर इस वर्ष भी भव्य आयोजन की तैयारी शुरू हो चुकी है। हिंदू धार्मिक संस्था की ओर से 28 जुलाई को मंदिर परिसर में एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभी आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में संस्था अध्यक्ष हनुमान खंडेलवाल के साथ मैथिलीशरण गुप्त, केशव राय, ओम प्रकाश सोनी, राजेंद्र गुप्ता, गणेश गुप्ता, केदार अग्रवाल, अजय जायसवाल, विनोद रजक एवं एस.पी. सिंह सहित कई प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि लाइट डेकोरेशन, फूलों की सज्जा, साउंड सिस्टम, टेंट, प्रसाद वितरण, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात नियंत्रण जैसी सभी व्यवस्थाएं इस बार और भी बेहतर की जाएंगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।नगर का आस्था केंद्र – श्री राधाकृष्ण की अनुपम मूर्तिधनपुरी के राधा कृष्ण मंदिर की एक विशेष पहचान है — यहाँ विराजित श्री राधा-कृष्ण की अनुपम, मनोहारी और आकर्षक मूर्ति जो पूरे संभाग में अपने सौंदर्य और भव्यता के लिए जानी जाती है। श्रद्धालु बताते हैं कि ऐसी सुंदर मूर्ति जिले भर में कहीं नहीं है। भगवान के दर्शन करते ही मन भक्तिभाव में डूब जाता है और आत्मिक शांति मिलती है।श्रद्धालुओं का उमड़ेगा सैलाबहर वर्ष की तरह इस बार भी धनपुरी कोयलांचल, बुढार, अमलाई,और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भारी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर दर्शन के लिए आएंगे। आयोजन समिति को उम्मीद है कि इस बार संख्या और भी अधिक हो सकती है।व्यवस्थाओं को लेकर समिति गंभीरश्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए समिति द्वारा विशेष रूप से भीड़ नियंत्रण, पेयजल, साफ-सफाई, पार्किंग व टेंट व्यवस्था पर ज़ोर दिया जा रहा है। समिति ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए स्वयंसेवकों की भी मदद ली जाएगी।नगरवासियों से सहयोग की अपीलसंस्था ने नगरवासियों से इस पावन अवसर पर अधिक से अधिक सहयोग करने की अपील की है, ताकि यह पर्व श्रद्धा, सुरक्षा और सौहार्द के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सके।

मिनी शौचालय पर अस्थायी दुकानों का कब्जा कचरा पात्र भी फेंका, राहगीरों को भारी परेशानी

शहडोल। नगर पालिका जहां नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रयासरत है, वहीं कुछ असामाजिक तत्वों ने इन प्रयासों पर पानी फेर दिया है। महारानी लक्ष्मीबाई स्कूल के पास बनाए गए मिनी सुलभ शौचालय पर अस्थायी दुकानदारों द्वारा कब्जा कर लिया गया है। साथ ही पास में लगे कचरा पात्र को भी उखाड़कर फेंक दिया गया, जिससे इलाके में गंदगी और दुर्गंध फैल रही है। जानकारी के अनुसार, रविवार रात इस पूरे कृत्य को अंजाम दिया गया। सोमवार सुबह जब स्थानीय लोगों ने शौचालय का उपयोग करना चाहा तो उन्हें बंद रास्ता और अव्यवस्था का सामना करना पड़ा। नाराज लोगों ने इसकी शिकायत मीडिया से की। बताया जा रहा है कि त्योहार के सीजन में सड़क किनारे दुकानें लगाने वाले अस्थायी दुकानदारों ने शौचालय के सामने टेंट गाड़ दिए हैं, जिससे शौचालय तक पहुंचना तकरीबन असंभव हो गया है। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को इस स्थिति से सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर पालिका द्वारा जनता की सुविधा के लिए यह शौचालय बनवाया गया था, लेकिन अब यह अवैध कब्जे के कारण बेकार पड़ा है। कचरा पात्र के हटाए जाने से आसपास मच्छरों और दुर्गंध की समस्या उत्पन्न हो गई है।

नागरिकों की मांग है कि नगर पालिका एवं प्रशासन तत्काल प्रभाव से अवैध कब्जा हटाए और शौचालय को दोबारा उपयोग योग्य बनाए। लोगों में इस मुद्दे को लेकर भारी नाराजगी देखी जा रही है। स्थानीय प्रशासन और नगर पालिका के अधिकारियों से अपेक्षा की जा रही है कि वे शीघ्र इस मामले का संज्ञान लें, ताकि सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा हो सके और नागरिकों को मूलभूत स्वच्छता सुविधा पुनः उपलब्ध हो।

इनका कहना है...

अनाधिकृत दुकानदारों को वहां से हटाने का काम किया जाएगा और मोबाइल सुलभ कांप्लेक्स का उपयोग सभी के लिए सुचारू रूप से चालू रहेगा।

मोतीलाल सिंह
स्वच्छता अधिकारी
नगर पालिका शहडोल

नालियों की हुई साफ सफाई

ब्यौहारी। नगर परिषद के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 ,15 में बरसात का पानी कहीं रुके नहीं ईसी को ध्यान में रखते हुए नालियों की गहरी साफ सफाई कराई गई नगर पालिका के कर्मचारी रज्जब द्वारा बताया गया कि हम वार्ड के नालियों की गहरी सफाई कर रहे हैं जिसे कहीं भी जल भराव की स्थिति ना बने लोग पॉलिथीन को नालियों में न फेंके क्योंकि पाली थीन यदि नाली में रहती है तो पानी निकल नहीं पता और ओवरफ्लो होता है। नगर वासी कचरे को नालियों में ना फेकें।

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और समस्याओं तथा शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले सोहागपुर निवासी गीता प्रसाद शुक्ला ने सेवानिवृत्त उपरांत देय स्वत्वों का भुगतान कराने, उमरिया जिले के उमरिया निवासी जीतेंद्र गुप्ता ने वैध उमरिया नगर में पालिका क्षेत्र में माची पार्लर को अवैध लिखकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा असंवैधानिक तरीके से गोमती हटाये जाने, अनूपपुर जिले के ग्राम पंचायत गिजरी निवासी मानवती बाई ने नाली निर्माण का भुगतान कराने हेतु आवेदन जनसुनवाई में प्राप्त हुए। कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में उपायुक्त राजस्व श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, संयुक्त आयुक्त विकास श्री मगन सिंह कनेश सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका का वृक्षारोपण सराहनीय लेकिन देखरेख और सुरक्षा पर भी ज़ोर ज़रूरी

धनपुरी।

नगर पालिका द्वारा शहर को हरा-भरा बनाने की दिशा में विभिन्न वार्डों में वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। यह कदम पर्यावरण संरक्षण और शहर की सुंदरता बढ़ाने की दिशा में सराहनीय है। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल का स्वागत किया है, लेकिन इसके साथ कुछ ज़रूरी सुझाव भी सामने आए हैं।नगर के कई स्थलों जैसे सिद्ध बाबा मंदिर खेल मैदान,सिलपरी, कब्रिस्तान के पास, वार्डों के मैदानों और खाली ज़मीनों पर पौधे तो लगाए जा रहे हैं, लेकिन देखरेख और सुरक्षा की गंभीर कमी देखी गई है। पौधों को न तो टी-गार्ड से घेरा गया है, न ही किसी स्थायी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इससे कई स्थानों पर मवेशियों द्वारा पौधों को नुकसान पहुंचा है। यदि समय रहते इन पौधों की रक्षा नहीं की गई, तो पूर्व वर्षों की तरह यह प्रयास भी केवल कागज़ों में सिमटकर रह जाएगा।

नागरिकों ने यह भी सुझाव दिया कि पौधारोपण को केवल औपचारिकता न बनाकर इसे व्यावहारिक और दीर्घकालिक योजना के रूप में अपनाया जाए। प्रत्येक लगाए गए पौधे की सुरक्षा के लिए यदि स्थायी निगरानी (मॉनिटरिंग) की व्यवस्था हो, और जरूरत पड़ने पर सुरक्षा गार्ड या स्थानीय मितान, स्वच्छता कर्मियों को जिम्मेदारी दी जाए, तो इन पौधों का जीवन सुरक्षित हो सकता है।सामाजिक संगठनों और पर्यावरण प्रेमियों ने भी नगर पालिका से मांग की जा रही है। पौधारोपण के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और देखरेख को प्राथमिकता दी जाए। इसके साथ ही यह भी ज़रूरी है कि पौधे उचित स्थानों पर लगाए जाएं, ताकि उनका विकास ठीक ढंग से हो सके।नगर पालिका की यह पहल निश्चित रूप से सराहनीय है, लेकिन इसे सफल बनाने के लिए हर स्तर पर सजगता और ज़िम्मेदारी की ज़रूरत है। तभी नगर का यह हरियाली सपना एक सच्चाई में बदलेगा।

शासकीय महाविद्यालय गोहपारू में भ्रष्टाचार; घांधली की परतें उजागर, एबीव्हीपी ने की जांच और कार्यवाही की मांग

शहडोल। शासकीय महाविद्यालय गोहपारू में प्रभारी प्राचार्य डॉ. मंगल सिंह द्वारा की गई गंभीर अनियमितताओं को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मोर्चा खोल दिया है। नगर मंत्री अमन त्रिपाठी ने उच्च शिक्षा विभाग को ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों पर तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग की है। एबीव्हीपी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य पद से हटाए जाने के बावजूद डॉ. मंगल सिंह ने न केवल सरकारी दस्तावेज और चेकबुक जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को अपने पास ही रखा, बल्कि नए प्रभारी डॉ. राजकुमार महोबिया को दस्तावेज सौंपने से बार-बार इनकार किया। 25 जून 2025 को डॉ. राजकुमार महोबिया को प्रभारी प्राचार्य नियुक्त किया गया था, लेकिन 22 जुलाई तक भी उन्हें महाविद्यालय संबंधी दस्तावेज नहीं सौंपे गए। यह भी आरोप है कि डॉ. मंगल सिंह ने डॉ. महोबिया की एक वैकल्पिक शासकीय आईडी बनाकर उनके नाम से पोर्टल पर खरीदी की प्रक्रिया चलाई और बगैर अनुमति उनके डिजिटल हस्ताक्षर का प्रयोग किया गया। जब डॉ. महोबिया को इस अनधिकृत गतिविधि की जानकारी हुई, तो उन्होंने अपनी ईमेल आईडी का पासवर्ड बदलवाकर उच्च शिक्षा विभाग में शिकायत दर्ज करवाई।

भर्ती प्रक्रिया में भाई-भतीजावाद के आरोप

डॉ. मंगल सिंह पर आरोप है कि उन्होंने आउटसोर्सिंग के तहत 14 कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया में भारी अनियमितता की। न तो विज्ञापन निकाला गया, न ही चयन के लिए कोई पैनल गठित किया गया। भर्ती में कथित रूप से अपने रिश्तेदारों को प्राथमिकता दी गई—जैसे श्रेयांश मिश्रा (लैब टेक्नीशियन, भौतिक शास्त्र), उनकी पत्नी सुमन द्विवेदी (सहायक ग्रेड-3) और भाई नितेश मिश्रा (लैब टेक्नीशियन), जो युवक कांग्रेस से भी जुड़े हैं।

अवैध वसूली के गंभीर आरोप

श्रेयांश मिश्रा पर यह भी आरोप है कि उन्होंने छात्राओं से प्रोजेक्ट अंकों के बदले 2500 रुपये प्रति छात्रा की वसूली की तथा कई बार उनके साथ अभद्र व्यवहार भी किया गया। इस घटना ने छात्राओं की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर गम्भीर सवाल खड़े कर दिए हैं। 11 जून को बीए द्वितीय वर्ष के अर्थशास्त्र प्रथम प्रश्नपत्र के स्थान पर द्वितीय प्रश्नपत्र का वितरण किया गया, जिसे छात्रों ने पढ़ भी लिया। यह पेपर 13 जून को निर्धारित था, फिर भी छात्रों को वही प्रश्नपत्र पुनः उसी दिन दोबारा हल करने दिया गया, जो स्पष्ट रूप से प्रश्नपत्र लीक की श्रेणी में आता है।

राजनीतिक संरक्षण की भी आशंका

ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा इन सभी गंभीर अनियमितताओं की जानकारी होने के बावजूद न केवल कोई कार्रवाई नहीं की गई, बल्कि डॉ. मंगल सिंह को पुनः प्रभारी प्राचार्य बना दिया गया। इससे यह स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि कहीं न कहीं राजनीतिक संरक्षण और मिलीभगत की भूमिका भी इसमें रही है। विद्यार्थी परिषद ने मांग की है कि डॉ. मंगल सिंह को तत्काल प्रभारी प्राचार्य के पद से हटाकर स्वतंत्र जांच कराई जाए और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। परिषद ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

संलग्न दस्तावेजों के साथ शिकायत प्रस्तुत

ज्ञापन के साथ डॉ. महोबिया द्वारा की गई लिखित शिकायतें, स्पष्टीकरण नोटिस, और अतिरिक्त संचालक को भेजे गए पत्र भी संलग्न किए गए हैं, जिनसे संपूर्ण घटनाक्रम की पुष्टि होती है। यह मामला अब पूरे संभाग में चर्चा का विषय बन चुका है और विद्यार्थियों से लेकर शिक्षकों तक में रोष व्याप्त है।

खबर संक्षेप

पूर्व कृषि विस्तार अधिकारी ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी अनूपपुर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के द्वारा भाजपा कार्यालय अनूपपुर में हाल ही में सेवानिवृत हुए कृषि विस्तार अधिकारी पुष्पराजगढ़ लक्ष्मण सिंह उद्दे को भाजपा का अंग वस्त्र पहनकर भारतीय जनता पार्टी परिवार में शामिल किया और उन्हें भाजपा की सदस्यता प्रदान की। भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने पूर्व कृषि विस्तार अधिकारी लक्ष्मण सिंह उद्दे को भाजपा परिवार में शामिल होने पर बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और कहा कि उनके पार्टी में आने से भारतीय जनता पार्टी को पुष्पराजगढ़ विधानसभा में और मजबूती मिलेगी। उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई।

जिले में 1.4 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

अनूपपुर। अधीक्षक भू-अभिलेख अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 1.4 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र कोतमा में 4 मिली मीटर, अमरकंटक में 5 मिली मीटर तथा बेनीबारी में 2.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर, बिजुरी ,जैतहरी, वेंकटनगर तथा पुष्पराजगढ में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

खेत पर तार-फेंसिंग लगाने का आधा खर्च सरकार करेगी वहन

अनूपपुर। फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए खेतों पर तार-फेंसिंग लगाने का आधा खर्चा राज्य सरकार वहन करेगी। अब राष्ट्रीय बागवानी एकीकृत विकास कार्यक्रम के तहत उद्यानकी फसल उगाने वाले कृषक अपने खेत के चारो ओर 5 तार व खम्बे की फेंसिंग लगवा सकते हैं। उद्यानकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा इच्छुक किसानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये गए हैं। विभाग द्वारा जिलेवार लक्ष्य निर्धारित किया जा चुका है। आयुक्त उद्यानकी के अनुसार उद्यानकी फसलों में सब्जी, फल, फूल एवं मसालों की फसलों को जंगली जानवरों द्वारा क्षति पहुंचाई जाती है। इससे बचाव के लिये यह योजना लागू की गई है। विभाग द्वारा किसानों को तार-फेंसिंग लगाने में आने वाले खर्च का आधा (50 प्रतिशत) अनुदान प्रदान किया जाएगा। तार-फेंसिंग लगाने का खर्चा 300 रुपये प्रति रनिंग मीटर आता है, यानि एक हजार रनिंग मीटर का खर्चा तीन लाख रुपये है। इसमें डेढ़ लाख रुपये राज्य सरकार देगी तथा शेष डेढ़ लाख रूपये किसान वहन करेगा।

ट्रेन में मिले अज्ञात युवक की अस्पताल पहुंचने के पहले मौत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मंगलवार की शाम को अजमेर से दुर्ग की ओर जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन क्रमांक 18214 के इंजन के पास लगे जनरल बोगी में एक अज्ञात युवक जो 40 से 45 वर्ष के लगभग उम्र का है अचेत अवस्था में पढ़ें होने की सूचना पर आर,पी,एफ,पुलिस द्वारा जिला अस्पताल अनूपपुर में उपचार हेतु ले जाया गया जहां परीक्षण पर अज्ञात युवक को ड्यूटी डॉक्टर ने मृत घोषित किया गया रेल, मृतक के शव को जिला अस्पताल अनूपपुर में सुरक्षित रखा गया है,रेल पुलिस चौकी प्रभारी अनूपपुर राजेंद्र प्रसाद मिश्रा ने बताया कि मृतक के पास से 7.7.2025 की दो जनरल टिकट उस्लापुर(बिलासपुर) से अजमेर का प्राप्त हुआ है मृतक के पहचान की कोशिश की जा रही है। रेल्वे पुलिस चौकी प्रभारी श्री मिश्रा ने आम जनों से मृतक की पहचान कर परिजनों एवं पुलिस को सूचित किए जाने की अपील की है।

माध्यमिक विद्यालय बरबसपुर में किया गया पौधरोपण

अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत जिले में पौधरोपण किए जा रहे हैं। एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और मातृत्व के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक अनूठा प्रयास है। यह अभियान न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का एक माध्यम है, बल्कि यह माताओं और धरती माता के बीच एक भावनात्मक और सांस्कृतिक संबंध स्थापित करता है। इसी अनुक्रम में शासकीय माध्यमिक विद्यालय बरबसपुर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पौधरोपण के दौरान उपस्थित जनों को प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन का संदेश दिया गया। बताया गया कि पौधरोपण न केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम है, बल्कि यह भावनात्मक रूप से भी एक सशक्त पहल है।

किसानों की सुरक्षा व मुआवजे की मांग को लेकर कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

46 दिन बाद छत्तीसगढ़ की सीमा पर पहुंचे चार हाथी

अनूपपुर में हाथियों के आतंक ने किसानों की तोड़ी कमर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में बीते कुछ वर्षों से छत्तीसगढ़ की सीमा से भटके जंगली हाथियों के आतंक से आम नागरिकों और किसानों की जान-माल को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। वन्य जीव हाथियों द्वारा की जा रही लगातार तबाही के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी ने कलेक्टर अनूपपुर को ज्ञापन सौंपकर प्रभावितों को मुआवजा देने एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि पिछले तीन-चार वर्षों से हाथियों का एक झुंड अनूपपुर जिले की सीमा में प्रवेश कर कोतमा, पुष्पराजगढ़ और अनूपपुर तहसीलों के विभिन्न गांवों और खेतों में भारी तबाही मचा रहा है। किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं, घरों को नुकसान पहुंच रहा है और जनजीवन भयभीत है। कई बार हाथी घरों में घुसकर अनाज और धान को नष्ट कर चुके हैं। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि शासन-प्रशासन द्वारा जो मुआवजा राशि दी जाती है वह नाकाफी है और प्रक्रिया भी बेहद धीमी है, जिससे पीड़तों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। इतना ही नहीं, हाथियों की इस समस्या को लेकर शासन-प्रशासन की संवेदनशीलता और तत्परता पर भी सवाल उठाए गए हैं। ज्ञापन में मुख्य मांगे जिनमें हाथियों के आतंक से प्रभावित ग्रामीणों को शीघ्र उचित मुआवजा दिए जाने, वन विभाग द्वारा इस मुद्दे पर तत्काल ठोस और प्रभावी कार्यवाही किए जाने, प्रभावित क्षेत्रों में जन-सुरक्षा हेतु उचित वन्य प्रबंधन और निगरानी रखे जाने की मांग रखी गई है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो जिलेभर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौपने में प्रमुख रूप से कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति सिंह, वरिष्ठ कांग्रेस नेता आशीष त्रिपाठी, उपाध्यक्ष भाई रियाज अहमद, पार्षद दीपक शुक्ला, पिछड़ा वर्ग कांग्रेस अध्यक्ष रजन कुमार राठौर, आरटीआई प्रकोष्ट के अध्यक्ष अनिल चौधरी, विवेक यादव, सचिन पटेल, आरएसपी के वरिष्ठ नेता बुद्धसेन राठौर, लेखराम राठौर, उमेश राठौर आदि की उपास्थित मे ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

46 दिन बाद छत्तीसगढ़ की सीमा पर पहुंचे चार हाथी

चार हाथियों का समूह निरंतर 46 दिन तक अनूपपुर जिले के साथ डिंडौरी, उमरिया एवं शहडोल जिले के क्षेत्रो में विचरण करते हुए मंगलवार 29 जुलाई की सुबह छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही क्षेत्र मे एक बार फिर से प्रवेश कर गए हैं। इस बार हाथियों के द्वारा सैकड़ो ग्रामीणों के घरो, खेतो एवं बाड़ियों में लगी तथा रखी विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बनाया है, निरंतर पांच दिनों से जैतहरी के चोलना वन बीट अंतर्गत चोई, पड़रिया ग्रामों में रात के समय विचरण करते हुए चारों हाथियों द्वारा ग्रामीण जनों के संपत्तियो का नुकसान पहुंचाने से परेशान होने पर ग्रामीणों द्वारा हाथियों को भगाए जाने के लिए चक्काजाम कर वनविभाग जिला प्रशासन से हाथियों को जिले की सीमा से दूर किए जाने की मांग की गई है। अलग-अलग तरह से चार हाथियों का समूह विगत 14 जून की रात एक बार फिर से छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही इलाके से अनूपपुर जिले के जैतहरी क्षेत्र में प्रवेश करते हुए जैतहरी, अनूपपुर, राजेंद्रग्राम के साथ डिंडौरी, उमरिया जिले के घुनघुटी एवं शहडोल जिले के शहडोल एवं बुढार क्षेत्र में विचरण करने बाद पुनः अनूपपुर से जैतहरी इलाके में प्रवेश कर दिन के समय ग्रामीण क्षेत्रो से लगे जंगलों में विश्राम कर शाम एवं रात होते ही आहार की तलाश में ग्रामीण अंचलों में पहुंचकर ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ कर घर के अंदर रखे विभिन्न तरह के खाने की सामग्रियों के साथ ग्रामीणों के खेत एवं बांडियों में लगे विभिन्न तरह के फसलों को अपना आहार बनाते रहे अचानक गांव, टोला एवं मोहल्ला में हाथियों के पहुंच जाने के डर से ग्रामीण जनों में भय की स्थिति निरंतर बनी रही है। इस दौरान ग्रामीण स्वयं एवं अपने परिवार को बचाने के उद्देश्य से इधर-उधर भाग कर सुरक्षित स्थानों में ठहरते हुए अपनी एवं अपने परिवार के सदस्यों की जान बचाते रहे हाथियों के द्वारा आम जनों एवं वनविभाग के गश्ती दल के सदस्यों के नजदीक आ जाने पर बीच-बीच में अपनी सुरक्षा को लेकर चिंघाडते, तेजी से आवाज कर दौड़ाते रहे हैं। इस बीच कई ग्रामीणों के साथ वनविभाग के गश्ती दल में लगे अधिकारी, कर्मचारी भी हाथियों के दौडाने पर भाग कर सुरक्षित स्थानों पर जाकर अपनी बचाई 28 जुलाई सोमवार को पांचवें दिन चारों हाथी वन परिक्षेत्र, थाना एवं तहसील जैतहरी के वन बीट चोलना के जंगल जो चोई गांव से लगा हुआ है में दिन में ठहरते रात होते ही चोई एवं पड़रिया गांव के कई टोला, मोहल्ला में विचरण करते हुए चोई एवं पड़रिया गांव के बीच स्थित चिकनी तालाब में कुछ देर तक नहाने बाद चोई, पड़रिया, पपरौडी से उमरिया गांव होते हुए गूजरनाला पार कर मंगलवार की सुबह छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही वन परिक्षेत्र अंतर्गत शिवनी वन बीट एवं ग्राम पंचायत मालाडाड के दैंगवा गांव से लगे पलाश के प्लाट में पहुंचकर ठहरे हुए है। हाथियों के द्वारा देर रात तक ग्रामीण के खेतों में लगी फसलो को खाते रहे, वनविभाग का गस्ती दल ग्रामीण के सहयोग से हाथियों को आगे बढ़ता रहा, हाथियों के निरंतर विचरण करने एवं नुकसान करने से परेशान ग्रामीणों ने विगत दिनों जैतहरी- वेंकटनगर मुख्य मार्ग पर धनगवां में हाथियों की समस्या को लेकर कुछ देर के लिए चक्काजाम कर प्रशासन के समक्ष अपना विरोध व्यक्त किया इस दौरान सोमवार को ग्रामीणों का एक दल जिले के अधिकारियों से मिलकर हाथियों की समस्या से निजात दिलाने पर ज्ञापन सौपा रहा है एक बार फिर हाथियों से अनूपपुर जिला मुक्त होने पर आम जनों ने राहत की सांस ली है वहीं राजस्व एवं वनविभाग की संयुक्त टीम द्वारा हाथियों द्वारा किए गए नुकसान का सर्वेक्षण कर राहत प्रकरण तैयार किया है। ग्रामीणों द्वारा हाथियों से हुए नुकसान पर प्रशासन की ओर से कम राशि मिलने एवं पूर्व में किए गए नुकसान का अब तक राहत राशि नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए शीघ्र ही राहत राशि दिलाये जाने की मांग की है। हाथियों का दल जो विगत कई वर्षों से छत्तीसगढ़ के साथ मध्यप्रदेश के अनूपपुर एवं अन्य जिलों में निरंतर विचरण कर अपना कॉरिडोर इलाका बना रखे हैं के कारण अक्सर हाथी एक से दूसरे राज्यो की सीमाओं में अचानक प्रवेश कर विचरण करते हैं हाथियों के प्रवेश को रोकने के लिए दोनों और राज्यों के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को एक साथ बैठकर ठोस निर्णय लिए जाने की आवश्यकता महसूस हो रही है क्योंकि हाथियों के आने पर वनविभाग के साथ अन्य विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों द्वारा सिर्फ हाथियों के विचरण पर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को सतर्कता का बरतने की बात कर पाता है वही निरंतर नुकसान के कारण ग्रामीणों में आक्रोश की स्थिति बनी रहती है।

घोघरा नाला एवं तिपान नदी में पुल निर्माण कार्य स्वीकृत कराने पूर्व मंत्री ने लगाया ध्यान आकर्षण

भाजपा नेता अनिल गुप्ता की मांग पर राह होगी आसान

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

विन्ध्य विकास प्राधिकरण के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नाम एक पत्र विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर के विधायक बिसाहूलाल सिंह के मार्फत भेजा था। जिसमें उन्होंने अनूपपुर जिले के जैतहरी से झांईताल मार्ग में स्थित घोघरा नाला एवं तिपान नदी पर पूर्व में निर्मित स्टाप डैम कम रपटा वर्षा ऋतु में टूट जाने के कारण जनहित में पुल निर्माण कराये जाने की मांग की थी। विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर के विधायक बिसाहूलाल सिंह ने पूर्व उपाध्यक्ष विन्ध्य विकास प्राधिकरण अनिल कुमार गुप्ता से प्राप्त पत्र के आधार पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को 9 जनवरी को पत्र लिखा था। जिसमें उन्होंने अनुसूचित जनजाति क्षेत्र को जोड़ने वाली जैतहरी-झांईताल के मध्य घोघरा नाला एवं तिपान नदी पर पुल निर्माण कार्य स्वीकृत किये जाने का अनुरोध किया था। उन्होंने पत्र में लेख किया था कि नगर परिषद जैतहरी क्षेत्र में स्थित जैतहरी-झांईताल मार्ग में घोघरा नाला स्थित है। जिसमें विगत 40 वर्ष पूर्व एक पुलिया का निर्माण किया गया था। वर्षा के समय बाढ़ आने से उसके उपर से पानी बहने लगता है और लोगों का आवागमन बाधित होता है। वर्तमान में वह पुलिया कम रपटा स्टॉप डैम टूट चुका है। उक्त मार्ग लगभग 20 जनजातीय गांव को जोडती है। जिस कारण से इन्होने जैतहरी से झांईताल मार्ग में घोघरा नाला व तिपान नदी में पुल निर्माण कार्य स्वीकृत कराये जाने का अनुरोध किया है। अतएव जैतहरी-झांईताल के मध्य घोघरा नाला एवं तिपान नदी में पुल निर्माण कार्य स्वीकृत किये जाने हेतु कृपया संबंधित को निर्देशित करने का अनुरोध है। लेकिन 6 माह बाद भी पत्र पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिस पर विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर के विधायक बिसाहूलाल सिंह ने 29 जुलाई को मध्यप्रदेश विधानसभा में ध्यान आकर्षण सूचना लगाई। जिसमें उन्होंने प्रमुख सचिव मध्यप्रदेश विधानसभा भोपाल को लेख किया है कि लोक निर्माण मंत्री का ध्यान अविलम्बनीय सार्वजनिक महत्व के विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ और अनुरोध करता हूं कि अध्यक्ष महोदय उसे उठाने की अनुज्ञा प्रदान करने की कृपा करेंगे। उन्होंने ध्यान आकर्षण सूचना में लेख किया है कि अनूपपुर जिले के जैतहरी विकासखण्ड एवं जैतहरी तहसील अंतर्गत जैतहरी झांईताल मार्ग में घोघरा नाला एवं तिपान नदी पुल क्षतिग्रस्त एवं आवागमन योग्य नही रह गया है। साथ ही अनुसूचित जनजाति विकास विभाग से कन्या शिक्षा परिसर का निर्माण जिसकी लागत लगभग 25.00 करोड़ रुपए है। घोघरा नाला एवं तिपान नदी के मध्य निर्माणाधीन है। घोघरा नाला एवं तिपान नदी में पुल का निर्माण न कराये जाने कन्या शिक्षा परिसर में अध्ययन करने वाले छात्राओं को आने जाने में जान हानि का खतरा है। साथ ही 20 जनजातीय ग्रामों का घोघरा नाला एवं तिपान नदी के कारण आवागमन प्रभावित है। इस संबंध में पत्र के द्वारा मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर को अवगत कराया गया है। किन्तु किसी भी मद से उक्त कार्य स्वीकृत न किये जाने से कन्या छात्राओं के साथ ही जनजातीय ग्रामीण व अन्य वर्गों का आवागमन पूर्णतः बाधित है। जिससें स्थानीय जनप्रतिनिधियों को रोष एवं आक्रोश व्याप्त है। 25 जुलाई के तेज बारिश के दौरान दो व्यक्ति बाढ़ में बह गये। जिसमें से एक का जीवन अंत हो गया है। शासन व जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से या अन्य मद से उक्त निर्माण कार्यों को स्वीकृत कर जन-जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

सावन महोत्सव का आयोजन संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

लगातार 6 वर्षों से सफल कार्यक्रम करते हुए इस वर्ष भी समाज के हर वर्ग की महिलाओ द्वारा शानदार कार्यक्रम सावन महोत्सव 2025 का आयोजन होटल धनश्री पैलेस मे रखा गया जिसमे सैकड़ो महिलाओ द्वारा सुंदर नाट्य प्रस्तुति विवाह एक अटूट बंधन की थीम के साथ संपन्न किया गया जिसमे सर्वप्रथम महिलाओ का स्वागत वंदन कार्यक्रम की आयोजक अन्नपूर्णा शर्मा व पूजा खंडेलवाल एवं वरिष्ठ महिलाओं के द्वारा दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। कार्यकम का आकर्षण शिवभजन व सावन के गीतों पर महिलाओ द्वारा रंगारंग प्रस्तुति दी गई जिसमे रमा मिश्रा, सरिता खेमका, श्रद्धा खेमका, नीतू खेमका, पूनम खरे, गीत शिवहरे, अरुणा साहू, पारुल अग्रवाल, दीप्ती चौहान, सोनम गुप्ता, सुरेखा गुप्ता द्वारा संगीत के साथ शिवमहिमा कि प्रस्तुति दी एवं सावन की सुंदर कविताओं ने तो मन ही मोह लिया जिसमे संगीता अग्रवाल, नीलम गुप्ता, अलका जायसवाल, स्मिता गुप्ता, स्वाति गुप्ता, पल्लवी अग्रवाल, शालू अग्रवाल सरस्वती ताम्रकार ने शानदार डांस की प्रस्तुति दी। ग्रुप डांस के साथ सुंदर डांस कि प्रस्तुतियों में पायल अग्रवाल, मंजू द्विवेदी, अंजना खेमका, वंदना अग्रवाल, प्रगति अग्रवाल, लक्ष्मी खेड़िया, मोना ताम्रकार, रति गुप्ता, सोनल सिन्हा, ज्योति नंदा, खुशबु अग्रवाल, स्वेता सोनी ज्योति शिवहरे, शिवानी अग्रवाल, ज्योति सोनी ने खूबसूरत छटा बिखेर कर कार्यक्रम का आकर्षण अपनी ओर कर लिया जिसकी सभी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम मे भगवान कि महिमा का नाट्य मंचन कर कल्याणी सोनी, रंजीता तोमर, श्वेता नामदेव, ऋचा नामदेव, भानुप्रिया सिंह, मीना सिंह, रश्मि पाण्डेय, ममता गुप्ता, प्रेमा गुप्ता, दीप्ती गुप्ता, सुनैना मिश्रा द्वारा प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संचालन अन्नापूर्णा शर्मा एवं पूजा खंडेलवाल द्वारा किया गया कार्यक्रम का आभार, प्रदर्शन डॉ सरोज पाण्डेय द्वारा किया गया कार्यक्रम पुरे अनूपपुर मे भक्तिमय बनाने मे सभी महिलाओ द्वारा लगभग 1 माह से तैयारी कर अपनी प्रस्तुति दी गई।

विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती माया विश्वलाल के निर्देशानुसार जिले के ग्राम निढावन के शासकीय माध्यमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र में एवं ग्राम बकानटोला के शासकीय माध्यमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केन्द्र में तथा ग्राम खम्हरिया के शासकीय माध्यमिक विद्यालय में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री विनोद कुमार वर्मा ने बच्चों के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास से संबंधित कानून के बारे में बताया एवं बाल विवाह, बाल श्रम और बच्चों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार को रोकने के लिए कानूनी जानकारियां दी। कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटैल ने 13 सितम्बर को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत, निःशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह योजना एवं बच्चों के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार या शोषण के बारे में तुरंत पुलिस या बाल कल्याण समिति को सूचित करने तथा चाईल्ड हेल्प लाईन नंबर 1098 पर कॉल करने के संबंध में बताया। शिविरों में डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसेल, पैरालीगल वालेंटियर, शिक्षकगण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं छात्र/छात्राएं व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर के अंत में शासकीय माध्यमिक विद्यालय ग्राम निढावन एवं ग्राम बकानटोला में "पंच-ज" अभियान के तहत विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकगणों के साथ पौधरोपण किया गया।

जनसुनवाई में 78 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने 78 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, एसडीएम अनूपपुर कमलेश पुरी, एसडीएम कोतमा अजीत तिर्की, एसडीएम जैतहरी श्रीमती अंजली द्विवेदी, एसडीएम पुष्पराजगढ़ सुधाकर सिंह बघेल एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगणों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में ग्राम मेड़ियारास तहसील अनूपपुर के विनोद प्रजापति ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ दिलाए जाने, ग्राम ऊरा तहसील कोतमा के रामशरण महरा ने पट्टे की भूमि का नक्शा तरमीम कराए जाने, ग्राम चोई थाना जैतहरी के रमाशंकर पाण्डेय ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने, ग्राम लतार तहसील अनूपपुर के प्रेमलाल कोल ने वृद्धावस्था पेंशन दिलाए जाने, ग्राम लतार तहसील अनूपपुर के छोटेलाल कोल ने भू-अधिकार पुस्तिका में नाम सुधारने के संबंध में, नगर परिषद बनगवॉ(राजनगर) की रामरती ने आयुष्मान कार्ड बनाए जाने, ग्राम गुंवारी तहसील जैतहरी के प्रदीप जायसवाल ने पट्टे की भूमि को मोजर बेयर कम्पनी द्वारा अधिग्रहीत किए जाने पर रोजगार दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिए।